



सुन्दर जवान लड़की की कुंवारी चूत-3

“मैंने उसके पैरों को फैला दिया। उसकी गुलाबी चूत मेरे सामने आ गई, छोटा सा छेद मेरे सामने था। आज तक कई लड़कियों की चुदाई की थी पर इतनी छोटी चूत पहली बार मिली थी। ...”

Story By: (mushkann)

Posted: Thursday, March 5th, 2020

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [सुन्दर जवान लड़की की कुंवारी चूत-3](#)

सुन्दर जवान लड़की की कुंवारी चूत-3

❓ यह कहानी सुनें

दोस्तो, अभी तक आपने मेरे और रूपा के बारे में जाना कि किस प्रकार से मैं रूपा को अपने प्लान में फंसा लिया। जितना मुश्किल मैं समझ रहा था ये काम उतनी ही आसानी से हो गया था।

रूपा अब मेरी थी।

अब आगे की कहानी शुरू करते हैं।

रूपा को गले से लगाये हुए मुझे यकीन नहीं हो रहा था कि इतनी अच्छी और कम उम्र की माल ... जिसके नाम से मैं मुठ मारा करता था आज उसकी चुदाई करने वाला हूँ।

मेरे दोनों हाथ रूपा की गदराई पीठ को सहला रहे थे। नशे के कारण रूपा को ज्यादा होश नहीं था इसका मुझे फायदा हुआ। मगर वो इतना तो समझ ही रही थी कि वो क्या कर रही है।

मैंने उसे खड़ा किया और उसकी फ्रॉक को ऊपर उठाते हुए उतार दिया। अब वो एक काली ब्रा और काली चड्डी में मेरी बांहों में थी। उसका गोरा बदन देख मेरा तो एक बार में ही तन गया था।

तुरंत ही मैंने उसकी ब्रा भी उतार दी और जल्द ही उसकी चड्डी भी। नशे के कारण वो अच्छे से खड़े भी नहीं हो पा रही थी।

मैं उसे उस कमरे में नहीं चोदना चाहता था क्योंकि वो कमरा भी छोटा सा था और उसका

पलंग भी एक आदमी के लिए ही था ।

मैंने तुरंत उसे अपनी गोद में लिया और अपने कमरे की तरफ चल दिया ।

कमरे में पहुंच कर मैंने उसे अपने पलंग पर लिटा दिया, उसके नंगे जवान बदन को देखते हुए मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए ।

रूपा पलंग पर लेटी हुई थी नशे में उसकी आँखें बंद हो रही थी ।

मैं उसके बगल में बैठ गया और अपना हाथ उसके दूध पर फिराते हुए पेट कमर और चूत तक ले गया ।

गुलाबी निप्पल और गुलाबी चूत की मालकिन रूपा की पहली चुदाई का सौभाग्य मुझे मिला था । आज तो मैं उसे जी भर के चोदने वाला था ।

देखते ही देखते मैं रूपा के ऊपर आ चुका था, मैंने उसके मखमली होंठों पर अपने होंठ रख दिये ।

मैं जीभ चलाते हुए उसके होंठों को चूम रहा था ।

कुछ देर में रूपा ने भी अपनी जीभ निकाल कर मेरा साथ देना शुरू कर दिया । वो पूरी तरह से नशे में थी मगर फिर भी सेक्स का मजा ले रही थी ।

मेरा लंड उसकी जांघ पर जाकर उसकी गोरी जांघों को सहला रहा था ।

उसके बाद मैंने उसके दोनों दूध पर हमला बोल दिया । दोनों दूध को मसलने और चूसने लगा ।

मेरे कड़े हाथों के कारण उसे कुछ दिक्कत हो रही थी. वो 'आआआई ईईई आह आईई ओऊ ऊऊऊ आआह आह अंकल ... नहीं अंकल ...' बोल रही थी.

मैं इतनी बेरहमी से उसके दूध दबा रहा था कि कुछ ही देर में दोनों दूध लाल हो चुके थे।

फिर मैं और नीचे गया और एक झटके में उसके दोनों पैरों को फैला दिया। उसकी गुलाबी चूत फैल कर मेरे सामने आ गई। चूत का छोटा सा छेद मेरे सामने था।

सच में दोस्तो, आज तक इतनी लड़कियों की चुदाई की थी मगर इतनी छोटी चूत पहली बार मिली थी।

मैंने तुरंत उसकी चूत पर अपना मुंह लगा दिया और जीभ से किसी मलाई की तरह चाटने लगा।

रूपा बिल्कुल मछली की तरह तड़पने लगी उसने अपनी गांड हवा में उठा दी और मैंने गांड के नीचे अपने दोनों हाथ डाल कर उसके चूतड़ को थाम लिया।

और फिर शुरू हुई असली चूत चटाई।

कुछ ही पल में रूपा झड़ गई।

मगर मैं रुका नहीं बस जी भर के चूत चाटना जारी रखा।

मुझे अपनी किस्मत पर गर्व हो रहा था कि इतनी मस्त लड़की की चूत मुझे मिली।

कुछ समय में रूपा दुबारा से गर्म हो गई थी और मैं अब ज्यादा देर नहीं करना चाहता था क्योंकि मेरा भी सब्र अब जवाब दे रहा था।

मैं तुरंत ही रूपा के ऊपर आ गया और उसके गोरे गालों को चूमते हुए उससे पूछा- तैयार हो न तुम ?

“हाँ।”

“डाल दूँ ?”

“हाँ !”

मैंने अपने सुपारे को चूत के दाने पर रगड़ते हुए छेद पर सेट कर दिया। अपने दोनों हाथों से उसकी दोनों जाँघें फंसा कर रूपा को अपनी आगोश में ले लिया। मैंने पहले हल्का सा जोर देकर लंड अंदर करने की कोशिश की. पर चूत इतनी टाइट थी कि लंड फिसल कर गांड के छेद की तरफ चला गया।

मैंने फिर से लंड सेट किया और इस बार रूपा से बोला- थोड़ा दर्द सहना तुम कुछ देर के लिए।

उसने अपने दोनों हाथों से मेरी पीठ जोर से थाम ली। मैंने इस बार ज्यादा जोर से धक्का लगाया और मेरा सुपारा चूत के छेद में घुस गया।

रूपा चिल्लाई- ऊउईई मम्मीईईई ईईईई ... आआह अंकल दर्द हो रहा है ... आआह नहीईई।

मैंने दूसरा धक्का भी दे मारा और पूरा का पूरा लंड चूत की गहराई तक उतार दिया।

रूपा को बहुत दर्द हो रहा था उसने मुझे कस कर पकड़ लिया। वो दर्द सहन कर रही थी, ये बात मुझे अच्छी लगी।

कुछ देर मैंने लंड को ऐसे ही रहने दिया फिर जब उसका दर्द कुछ कम हुआ तो हल्के हल्के आगे पीछे करते हुए चूत में जगह बनाई।

दोस्तो, जिंदगी में दूसरी बार मैं कुंवारी चूत को चोद रहा था। पहली अपनी पत्नी और अब रूपा को।

कुछ ही देर में उनका दर्द खत्म हो गया और मैंने धीरे धीरे धक्के लगाना शुरू कर दिया।

पहले तो रूपा 'ऊउईई ऊउईई मम्मीईई ईईईई' कह रही थी मगर जल्द ही उसे भी मजा आने लगा और वो आआ आआह आआह करने लगी।

उसकी आँखें बंद हो गई थी और वो अपनी चुदाई का मजा लेने लगी। मेरा मूसल जैसा मोटा लंड उसकी छोटी सी चूत में फच फच घुस रहा था।

मैंने भी अपनी रफ्तार तेज कर दी और रूपा भी अपनी गांड हवा में उठा दी। कुछ ही देर में रूपा झड़ गई और उसकी कसी हुई चूत को मैं भी सह नहीं पाया और जल्द ही झड़ गया।
ये चुदाई 5 मिनट ही चली थी।

मैं रूपा के ऊपर से हटा और लंड निकाल कर उसकी चूत को देखा। पानी से सराबोर उसकी गुलाबी चूत हल्के हल्के कांप रही थी। मेरा वीर्य उसकी छेद से बाहर निकल रहा था।

मैंने एक कपड़ा लिया और उसकी चूत को साफ किया और फिर अपने लंड को भी साफ करके उसके बगल में लेट गया।

उसे ठंड लग रही थी तो उसने तुरंत कंबल खींच कर ओढ़ लिया और मेरे तरफ अपनी पीठ कर के लेट गई।

मैं कुछ देर तो लेटा रहा। फिर मैंने पीछे से कंबल हटाया, उसकी गोरी गांड देख मेरा फिर से खड़ा हो गया था। मैं उसकी पीठ से चिपक गया और अपने लंड को उसकी गर्म गर्म गांड में दबा दिया।

उसकी गोरी गोरी जांघ पर अपने हाथों को फिराते हुए उसके गले और गालों को चूमता रहा।

उसके बदन की खुशबू मेरे हवस को फिर से जगा रही थी।

कुछ देर में वो पलटी और मेरे सीने से चिपक गई। हम दोनों ही उस ठंड में कंबल के अंदर

नंगे लिपटे हुए थे।

मैं फिर से उसके होंठों को चूमने लगा उसने भी अपनी जीभ निकलते हुए मेरा साथ देना शुरू कर दिया।

मैंने अपने हाथ से लंड को चूत में लगाया और उसकी एक जांघ को उठा कर अपने कमर पर रख दिया और पूरा लंड चूत में पेल दिया।

जैसे ही मेरा गर्म लंड अंदर गया उसके मुंह से निकला- सीईईई ईई ईईई ईईईई।

मैं बोला- क्या हुआ ?

“आपका वो मोटा है।”

मैं हंसते हुए बोला- तेरी भी तो छोटी सी है।

इतना बोलने के बाद मैंने लंड अंदर बाहर करना शुरू कर दिया।

वो मुझसे चिपक गई मैं एक हाथ से उसकी गांड को दबाते हुए जोर जोर से चोदने लगा।

कुछ देर ऐसे ही चोदने के बाद मैंने उसे सीधा लिटा दिया और उसके ऊपर चढ़ गया। उसके दोनों पैरों को हवा में उठा कर जोरदार तरीके से उसकी चुदाई करने लगा।

इस बार उसे जरा सा भी दर्द नहीं हो रहा था। वो बस ‘आआह आआईईई आआआ मम्मीईईई ईईई आआआआह’ कर रही थी।

मैं अपने शरीर की पूरी ताकत से उसे चोद रहा था।

करीब 5 मिनट बाद मैंने उसे घोड़ी बनने के लिए कहा और वो अपने घुटनों के बल हो गई।

मैं उसके पीछे गया और उसकी चूतड़ों को सहलाते अपने दांतों से हल्के हल्के काटने लगा।

उसके गोरे चूतड़ों पर मेरे काटने के निशान बन रहे थे।

फिर मैंने उसकी कमर को थामते हुए लंड को सेट किया और एक झटके में लंड चूत में

उतार दिया ।

उसके बाद तो ऐसा लगा कि उसकी चूत और ज्यादा टाइट हो गई थी ।

मैं दनादन उसे चोदता जा रहा था । अपने एक अंगूठे से गांड के काले छेद को रगड़ रहा था । मन तो कर रहा था कि उसकी गांड में भी लंड पेल दूँ मगर अभी मैं बस उसकी कुंवारी चूत के मजे लेना चाहता था ।

मैं बिना रुके पूरी ताकत से उसे चोदता जा रहा था और वो घोड़ी बनी हुई चुदाई करवाती जा रही थी ।

इस बार मैं झड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था मगर रूपा इस बीच दो बार झड़ चुकी थी ।

फिर मैंने उसे फर्श पर खड़े किया और आमने सामने होकर चोदा ।

उसके बाद फिर मैंने उसे दीवार से सटा कर चोदा । अपनी गोद में उठा कर चोदा ।

यह चुदाई करीब 40 मिनट तक चली । रूपा थक चुकी थी मगर मैं नहीं । बहुत मुश्किल से मेरा वीर्य निकला ।

उस रात हम दोनों ने 4 बार चुदाई की ।

और अगले 2 दिन न तो मैं दुकान गया और न ही रूपा कॉलेज गई । बस हम दोनों का चुदाई का खेल दोपहर रात चलता रहा ।

उन 2-3 दिनों में मैंने रूपा की इतनी चुदाई की थी जितनी कभी अपनी पत्नी की भी नहीं की ।

मैंने रूपा की चूत के साथ साथ उसकी कुंवारी गांड की चुदाई भी कर दी . पहली बार तो उसे गांड से मजा नहीं आया मगर बाद में वो भी गांड से मजा लेने लगी ।

अब तो रूपा घर में मेरी पत्नी की तरह रहती थी उसने अपना सारा सामान मेरे कमरे में शिफ्ट कर लिया। अब हम दोनों एक ही कमरे में साथ सोने लगे।

वो मेरे साथ 3 साल तक रही और उसने मुझे इतना सुख दिया जितना आज तक किसी लड़की नहीं ने नहीं दिया। वो 2 बार गर्भ से भी हो गई थी जिसकी दवाई मैंने उसे दी। 2017 में उसकी शादी हो गई और उसके जाने के बाद आज तक मैंने उसे नहीं चोदा।

अब मैं फिर से कभी कभी जी बी रोड जाता हूँ। मगर रूपा जैसी लड़की मेरी जिंदगी में आई ये मेरे लिए बहुत किस्मत की बात है. नहीं तो इतनी सुंदर और कम उम्र की लड़की हर किसी के नसीब में नहीं होती।

यह राज है और राज ही रहेगा. हम दोनों कभी इस बात का जिक्र किसी से नहीं करते।

mushkann85@gmail.com

Other stories you may be interested in

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैटेसी-17

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि हम सभी माले से दो दिन के लिए घूमने निकल गए थे. फेरी के एक केबिन में मैं अपनी बहन चित्र को अपना लंड चुसवा रहा था [...]

[Full Story >>>](#)

एयर होस्टेस और उसकी कुंवारी बहन की चुदाई

आदरणीय पाठकों को सादर प्रणाम स्वीकार। गोपनीयता बनाये रखने के लिए स्थान और क्लाइंट्स के नाम बदल दिए गए हैं लेकिन कहानी 100% सच्ची है। वैसे तो आप सभी दोस्त मुझे पहचानते ही हैं लेकिन कुछ नए पाठक और नई [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी बहन और जीजू की अदला-बदली की फैटेसी-15

अब तक की मेरी इस मस्त सेक्स कहानी में आपने पढ़ा था कि मैंने नताशा को बिना कंडोम के चोद दिया था और वो एक गर्भ निरोधक गोली खा कर मेरे बाजू में लेट गई थी. अब आगे.. मैंने नताशा [...]

[Full Story >>>](#)

गाँव की कमसिन कली को फूल बनाया

दोस्तो, मैं महेश दुबे, मेरी उम्र 31 साल है. मैं गोरखपुर (उ.प्र.) का रहने वाला हूँ और पिछले 7-8 सालों से दिल्ली में रह रहा हूँ। आपने मेरी पिछली कहानी में मेरी ममेरी बहन और मेरी जबरदस्त चुदाई के [...]

[Full Story >>>](#)

ननद भाभी की चोदन सेवा

मेरी पिछली कहानी मस्त मौला शौकीन भाभी भाभी की चूत की चुदाई वाली थी. यह नयी कहानी एक दूसरी ननद भाभी की जोड़ी की है. हमारे पड़ोस में एक सिंधी परिवार रहता है जिसके मुखिया का नाम लोक नाथ लखमानी [...]

[Full Story >>>](#)

